

भगवान बुद्ध के शांति, करुणा और मैत्री के संदेश से विश्व को मिलती है मानवता
की राह—श्री केशव प्रसाद मौर्य

86वें बौद्ध महोत्सव संकिसा में उप मुख्यमंत्री ने की सहभागिता, प्रसिद्ध बौद्ध स्तूप
का पूजन—अर्चन कर की परिक्रमा

बुद्ध के विचार आज भी सामाजिक समरसता, सद्भाव और विश्व शांति के लिए
प्रासंगिक

लखनऊ : 26 अक्टूबर, 2026

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनपद फर्रुखाबाद के संकिसा स्थित धम्मालोको बौद्ध विहार प्रांगण में आयोजित 86वें बौद्ध महोत्सव (बौद्ध मेला) में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने भगवान बुद्ध के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनके शांति, करुणा, मैत्री, अहिंसा और मानव कल्याण के संदेश को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान बुद्ध की शिक्षाएं केवल किसी एक देश, समाज या कालखंड तक सीमित नहीं हैं, बल्कि संपूर्ण मानवता को सही दिशा दिखाने वाली अमूल्य धरोहर हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भगवान बुद्ध ने संसार को करुणा, प्रेम, सहिष्णुता और मध्यम मार्ग का संदेश दिया। उन्होंने लोगों को अज्ञान, वैमनस्य और हिंसा से दूर रहकर सत्य, सदाचार तथा विवेक के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। आज जब विश्व अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रहा है, ऐसे समय में भगवान बुद्ध के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज में आपसी विश्वास, सद्भाव और शांति को मजबूत किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध का संदेश हमें सिखाता है कि मानवता की सेवा, जरूरतमंदों के प्रति संवेदना और सभी के प्रति सम्मान ही एक बेहतर समाज की आधारशिला हैं। समाज में ऊंच-नीच, भेदभाव और वैमनस्य के स्थान पर समता, सहयोग और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना हम सभी का दायित्व है। भगवान बुद्ध की शिक्षाएं व्यक्ति को आत्मचिंतन के साथ-साथ समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का बोध भी कराती हैं।

श्री मौर्य ने कहा कि संकिसा की पावन भूमि भारत की समृद्ध आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का महत्वपूर्ण प्रतीक है। यहां आयोजित बौद्ध महोत्सव भगवान बुद्ध के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने, बौद्ध परंपराओं को संरक्षित करने तथा नई पीढ़ी को देश की गौरवशाली विरासत से परिचित कराने का महत्वपूर्ण अवसर है। ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करने के साथ ही समाज में आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक समरसता का विस्तार करते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति सदैव विश्व कल्याण, शांति और मानवता की भावना से प्रेरित रही है। भगवान बुद्ध के विचारों ने भारत की पहचान को विश्व स्तर पर विशिष्ट स्थान दिलाया है। हमें उनके आदर्शों को केवल धार्मिक आयोजनों तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि अपने आचरण, व्यवहार और सामाजिक जीवन में भी अपनाना चाहिए। जब करुणा, सेवा और परस्पर सम्मान हमारे व्यवहार का हिस्सा बनेंगे, तभी एक समरस, संवेदनशील और विकसित समाज का निर्माण संभव होगा।

कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने संकिसा स्थित प्रसिद्ध बौद्ध स्तूप का विधि-विधानपूर्वक पूजन-अर्चन किया तथा स्तूप की परिक्रमा कर श्रद्धा व्यक्त की। कार्यक्रम बौद्ध परंपराओं और धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुरूप संपन्न हुआ।

उल्लेखनीय है कि जनपद फरुखाबाद का संकिसा एक प्राचीन एवं महत्वपूर्ण बौद्ध तीर्थस्थल है। बौद्ध धर्मावलंबियों के लिए इसका विशेष धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व है। यहां आयोजित बौद्ध महोत्सव देश-विदेश के श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा आयोजन है, जो धार्मिक परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक चेतना को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है।

इस अवसर पर सांसद श्री मुकेश राजपूत, अमृतपुर विधायक श्री सुशील कुमार शाक्य, कायमगंज विधायक डॉ. सुरभि, जिला पंचायत की प्रशासक श्रीमती मोनिका यादव, श्री फतेहचंद्र वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, बौद्ध मताधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सम्पर्क सूत्र— बी0एल0 यादव

राम यतन/07:20 PM

फोन नम्बर Direct : 0522-2239023 ई0पी0बी0एक्स0 : 0522-2239132,33,34,35 एक्सटेंशन : 223 224 225

फैक्स नं0 : 0522-2237230 0522-2239586 ई-मेल : upssochna@gmail.com,

वेबसाइट : www.information.up.gov.in

